

### सर्वांगीण विकास के लिए मानव मूल्यों की स्थापना आवश्यक

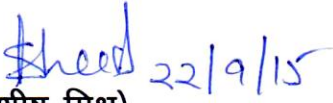
इंजीनियरिंग छात्रों एवं शिक्षकों के लिये " मानव मूल्य अवधारणा " विषय पर डा० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उ०प्र०, लखनऊ द्वारा कार्यशाला का आयोजन

डा० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उ०प्र०, लखनऊ (पूर्ववर्ती, उ०प्र०प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ) द्वारा आयोजित कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के साथ सार्वभौमिक मानव मूल्य अवधारणा की स्थापना पर बल दिया गया। एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 सितम्बर, 2015 को जे०एस०एस० इंस्टी०, नोयडा में किया गया।

कुलपति, प्रो० विनय कुमार पाठक ने कहा कि व्यक्ति के अन्तःकरण में मानव मूल्यों का अभाव ही समाज में अपराध को जन्म देता है। यही कारण है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के बावजूद अपराध दर में निरन्तर वृद्धि हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा हमारी अगली पीढ़ियों के बौद्धिक स्तर को सतत विकास की अवस्था में लाने का माध्यम है। मानव मूल्यों की इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो० प्रेमव्रत ने ह्यूमन वैल्यूस एवं प्रोफेशनल एथिक्स विषय को फाउण्डेशन कोर्स के रूप में शामिल किया था। आज यह फाउण्डेशन कोर्स देश के सात प्रदेशों के 33 विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम का अंग है।

प्रो० पाठक ने सूचना दी कि विश्वविद्यालय के अगले शैक्षिक सत्र से मानव मूल्य विषय को आवश्यक क्रेडिट कोर्स के रूप में मान्यता दी जायेगी। इस विषय के लिये प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था की जायेगी। इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिये इस विषय से संबंधित एक इण्टरएक्टिव वेबसाइट भी लांच की जायेगी। विश्वविद्यालय के ह्यूमन वैल्यू सेल में उपरोक्त क्रियाकलापों की जिम्मेदारी महाराणा प्रताप इंजी० कालेज, कानपुर के श्री भानुप्रताप सिंह को दी गई।

कार्यशाला में जे०एस०एस० इंस्टी० के प्राचार्य डा० के० कमल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी डीन्स, 73 सम्बद्ध संस्थानों के प्रबन्ध समिति के सदस्यों/निदेशक/शिक्षक/छात्र ने भाग लिया। कार्यशाला के अन्त में विश्वविद्यालय के डीन (शोध एवं विकास) प्रो० सी०वी० त्रिपाठी, डीन, छात्र कल्याण प्रो० कुलदीप सहाय, डीन (यू०जी०) प्रो० ए०के० कटियार तथा डीन (पी०जी०) प्रो० एच०के० पालीवाल ने कार्यशाला में प्रस्तुत विषय वस्तु का सारांश प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन डा० मनीषी मिश्रा ने किया।

  
(आशीष मिश्र)